सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-03

पाठ-12 तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

निर्देश -

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **प्रश्न 1 से 3 एक अंक के है।**
3. **प्रश्न 4 से 8 दो अंक के है।**
4. **प्रश्न 9 से 10 पांच अंक के है।**

---

1. पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।
2. तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर क्या कर रहा था?
3. तताँरा की तलवार की क्या विशेषता थी?
4. तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?
5. वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया?
6. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए:
   'जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।'
7. वामीरो की माँ ने तताँरा के साथ कैसा व्यवहार किया ?
8. कार-निकोबार के दो टुकड़े हो जाने पर वहां क्या सुखद परिवर्तन आया ?
9. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
10. 'तताँरा-वामीरो कथा'के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है ?

सीबीएसई कक्षा-10 हिंदी ब

टेस्ट पेपर-03

पाठ-12 तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

(आदर्श उत्तर)

1. पाठ का नाम –तताँरा वामीरो कथा ,लेखक –लीलाधर मंडलोई ।
2. तताँरा समुद्र के किनारे विचारमग्न था ।वह समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरण को निहार रहा था ।
3. तताँरा की तलवार लकड़ी की बनी थी ।लोगों का मानना था कि इसमें कोई जादुई शक्ति थी जिसके कारण तताँरा साहसिक कारनामे प्रदर्शित करता था ।
4. हालाँकि वह लकड़ी की तलवार थी, पर लोगों का मानना था कि उसमे अद्भुत शक्ति थी। वे मानते थे कि तताँरा अपने कारनामे उसी तलवार की मदद से करता था।
5. वामीरो ने बेरुखी से तताँरा से पूछा कि वह कौन है और अजनबी होने के बावजूद उससे सवाल क्यों कर रहा है? उसने गाँव के नियम का हवाला देते हुए ये भी बताया कि दूसरे गाँव के लोगों के सवालों के जवाब देने को वो बाध्य नहीं है ।
6. तताँरा बहुत गुस्से में था क्योंकि उसे लगने लगा था कि गाँव वाले उसकी और वामीरो की शादी नहीं होने देंगे। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। उसने अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी तलवार को पूरी ताकत से जमीन में घोंप दिया। यह उस समय का दृश्य है जब तताँरा के क्रोध से द्वीप के दो टुकड़े हो जाते हैं।
7. वामीरो की माँ ने तताँरा को खूब खरी-खोटी सुनाई और उसका बहुत अपमान किया ।यह सब सुनकर तताँरा ने स्वयं को अपमानित महसूस किया।
8. कार-निकोबार के दो दुकड़े हो जाने के पश्चात् द्वीप में यह सुखद परिवर्तन आया कि अब निकोबारी दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध स्थापित करने लगे ।
9. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद समुद्र के किनारे गया। उस समय शाम का समय था। दूर क्षितिज पर सूरज डूब रहा था। चिड़ियों का झुंड अपने घोसलों की तरफ जा रहा था। ठंडी-ठंडी हवा मन को शांति प्रदान कर रही थी। डूबते सूरज की लाली से समुद्र के पानी पर रंग-बिरंगी आकृतियाँ बन रही थीं। आसमान भी तरह-तरह के रंगों की छटा बिखेर रहा था।
10. 'तताँरा-वामीरो कथा' एक प्रसिद्ध लोक-गाथा हैजिसमे यह संदेश दिया गया है कि प्रेम को किसी बंधन,सीमा अथवा रीति-रिवाज में नहीं बाँधा जा सकता ।यदि कोई जाति ,धर्म ,क्षेत्र ,प्रदेश आदि प्रेम कि पवित्र भावना पर पहरे लगाएगा और उसे पनपने का अवसर नहीं देगा ,तो इसका परिणाम सुखद नहीं होगा ।समाज में जातीय ,धार्मिक और सामाजिक भेद में और अधिक वृद्धि होगी ,जिससे अंततः मानवता को ही नुकसान पहुँचेगा ।अत: हमें सभी प्रकार के भेद-भावों को मिटाकर सभी को अपनाना चाहिए ।